भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ : **शुक्रतारे के समान**

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टिफन

विद्यार्थी का नाम :----------

कार्यपत्रिका की तिथिः ----------

तिथिः----------

कक्षा : IX ब

1.	महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे ?	
उ.	महादेव भाई अपना परिचय गाँधीजी के 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' के रूप में देते थे ।	
2.	'यंग इंडिया' साप्ताहिक के लेखों की कमी क्यों रहने लगी थी ?	
उ.	'यंग इंडिया' नामक पत्र में अधिकतर लेख हॉनीमैन लिखा करते थे । अंग्रेज़ों ने उन्हें देश-निकाला दे दिया । परिणामस्वरूप इस पत्र में लेख लिखने वालों की कमी हो गई ।	
3.	गाँधीजी ने 'यंग इंडिया' प्रकाशित करने के विषय में क्या निश्चय किया ?	
उ.	गाँधीजी ने 'यंग इंडिया' को सप्ताह में दो बार प्रकाशित करने का निश्चय	
4.	गाँधीजी से मिलने से पहले महादेव भाई कहाँ नौकरी करते थे ?	
उ.	गाँधीजी से मिलने से पहले महादेव भाई सरकार के अनुवाद-विभाग में विभाग में नौकरी किया करते थे ।	
5.	महादेव भाई के झोलों में क्या भरा रहता था ?	
उ.	महादेव भाई के झोलों में ताजी राजनीतिक घटनाओं, जानकारियों, चर्चाओं से संबंधित पुस्तकें, समाचार-पत्र, मासिक पत्र आदि भरे रहते थे ।	
6.	महादेव भाई ने गाँधीजी की कौन-सी प्रसिद्ध पुस्तक का अनुवाद किया था ?	
उ.	महादेव भाई ने गाँधीजी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' का अंग्रेज़ी अनुवाद किया ।	
7.	अहमदाबाद से कौन-से दो साप्ताहिक निकलते थे ?	
उ.	अहमदाबाद से निकलने वाले साप्ताहिक पत्र थे - 'यंग इंडिया' तथा 'नव जीवन ।	
8.	महादेव भाई दिन में कितनी देर काम करते थे ?	
उ.	महादेव भाई रात होने तक काम करते रहते थे ।	
9.	महादेव भाई से गाँधीजी की निकटता किस वाक्य से सिद्ध होती है ?	
उ.	महादेव भाई से गाँधीजी की निकटता इस बात से सिद्ध होती है कि वे बाद के सालों में प्यारेलाल को बुलाते हुए 'महादेव' पुकार बैठते थे ।	
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -	
10.	गाँधीजी ने महादेव को अपना वारिस कब कहा था ?	
उ.	1919 में पंजाब जाते समय गाँधीजी को पलवल स्टेशन पर अंग्रज़ सरकार ने गिरफ्तार कर लिया। गाँधीजी ने उसी समय महादेव भाई को अपना वारिस कहा था ।	

11.	गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे ?	
उ.	महादेव भाई पहले उनकी समस्याओं को सुनते थे । उनकी संक्षिप्त टिप्पणी(comment) तैयार करके गाँधीजी के सामने पेश करते थे तथा उनसे लोगों की मुलाकात करवाते थे ।	
12.	महादेव भाई की साहित्यिक देन क्या है ?	
उ.	महादेव भाई ने टैगोर द्वारा रचित 'विदाई का अभिशाप' शीर्षक नाटिका और 'शरद बाबा की कहानियाँ' का अनुवाद किया । उन्होंने महात्मा गाँधी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' का अंग्रेज़ी अनुवाद किया ।	
13.	महादेव भाई की अकाल मृत्यु का कारण क्या था ?	
उ.	महादेव भाई की अकाल मृत्यु का कारण उनकी व्यस्तता तथा विवशता थी । सुबह से शाम तक काम करना और गरमी की ऋतु में ग्यारह मील पैदल चलना ही उनकी मौत का कारण बने ।	
14.	महादेव भाई के लिखे नोट के विषय में गाँधीजी क्या कहते थे ?	
उ.	गाँधीजी अन्य टिप्पणीकारों को विश्वासपूर्वक यह कहते थे कि महादेव के लिखे नोट से अपने नोट का मिलान कर लो, गलती का पता चल जाएगा । उन्हें विश्वास था कि महादेव जो लिखेंगे, सही लिखेंगे ।	
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -	
15.	पंजाब में फ़ौजी शासन ने क्या कहर बरसाया ?	
उ.	पंजाब में फ़ौजी शासन ने काफी आतंक मचाया। पंजाब के अधिकतर नेताओं को गिरफ्तार किया गया । उन्हें उम्र कैद की सज़ा देकर काला-पानी भेज दिया गया । 1919 में जलियाँवाला बाग में सैकड़ों निर्दोष लोगों को गोलियों से भून दिया गया । 'ट्रिब्यून' संपादक श्री कालीनाथ राय को 10 साल की जेल की सज़ा दी गई ।	
16.	महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था ?	
उ.	महादेव जी जो लिखते थे, वह बड़ा सुंदर व सटीक होता था । वह चाहे साधारण लेख हो या विरोधी समाचार-पत्रों की प्रतिक्रियाओं का जवाब, सभी में उनकी शिष्टाचार-भरी शैली होती थी । उनके कॉलम सीधी-सादी भाषा में सुस्पष्ट व उच्च भावों से भरे होते थे । वे विरोधियों की बातों का जवाब उदार हृदय से देते थे । यही कारण था कि वे सबके लाड़ले बन गए ।	
17.	महादेव जी की लिखावट की क्या विशेषताएँ थीं ?	
उ.	पूर्णत: शुद्ध और सुंदर लेख लिखने में महादेव भाई का भारत-भर में कोई सानी नहीं था । वे तेज़ गति से लंबी लिखाई कर सकते थे । उनकी लिखावट में कोई भी गलती नहीं होती थी । लोग टाइप करके लाई रचनाओं को महादेव की रचनाओं से मिलाकर देखते थे । उनके लिखे लेख, टिप्पणियाँस पत्र और गाँधीजी के व्याख्यान सबके सब ज्यों.-के-ज्यों प्रकाशित होते थे ।	